स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ
नांदेड– ४३१६०६ (महाराष्ट्र)
SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY
NANDED-431606, MAHARASHTRA STATE, INDIA.
Established on 17th September 1994 - Recognized by the UGC U/s 2(f) and 12(B), NAAC Re-accredited with 'A' Grade

ACADEMIC (1-BOARD OF STUDIES) SECTION

Phone: (02462) 229542
Fax : (02462) 229574
Website: www.srtmun.ac.in
E-mail: bos.srtmun@gmail.com

मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील तृतीय वर्षाचे CBCS Pattern नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१८–१९ पासून लागू करण्याबाबत.

प रि प त्र क

या परिपत्रकान्वये सर्व संबंधितांना कळविण्यात येते की, **दिनांक १४ जून २०१८ रोजी संपन्न झालेल्या ४१व्या मा. विद्या परिषद बैठकीतील विषय क्र.११/४१–२०१८** च्या ठरावानुसार प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील तृतीय वर्षाचे** खालील विषयांचे **C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Pattern** नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१८–१९ पासून लागू करण्यात येत आहेत.

१) इंग्रजी
२) हिंदी
३) कन्नड
४) मराठी
५) पाली
६) संस्कृत
७) उर्दू
८) अर्थशास्त्र
९) भूगोल
१०) इतिहास
११) सैनिकशास्त्र
१२) तत्त्वज्ञान
१३) राज्यशास्त्र
१४) लोकप्रशासन
१५) समाजशास्त्र

सदरील परिपत्रक व अभ्यासक्रम प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **www.srtmun.ac.in** या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत. तरी सदरील बाब ही सर्व संबंधितांच्या निदर्शनास आणून द्यावी.

'ज्ञानतीर्थ' परिसर,
विष्णुपुरी, नांदेड – ४३१ ६०६.
जा.क्र.: शैक्षणिक–०१/परिपत्रक/पदवी–सीबीसीएस अभ्यासक्रम/२०१८–१९/**२५२**

दिनांक : २५.०६.२०१८.

स्वाक्षरित/–
उपकुलसचिव
शैक्षणिक (१–अभ्यासमंडळ) विभाग

प्रत माहिती व पुढील कार्यवाहीस्तव :

१) मा. कुलसचिव यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
२) मा. संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
३) प्राचार्य, सर्व संबंधित संलग्नित महाविद्यालये, प्रस्तुत विद्यापीठ.
४) उपकुलसचिव, पदव्युत्तर विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
५) साहाय्यक कुलसचिव, पात्रता विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
६) सिस्टम एक्सपर्ट, यू.जी.सी. कक्ष, प्रस्तुत विद्यापीठ.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" विष्णुपुरी, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी तथा

स्नातक तृतीय वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम

(Elective, Generic & Skill Enhancement Course)

जून २०१८ से प्रारंभ

Under Graduate Third Year Syllabus & Work Load Distribution
Semester Pattern effective from June 2018
Subject : Hindi (Optional) & S.E.C.

Semester		Paper No.	Lecturers/ week	Total No. of Lecturers	CA	ESE	Total Marks	Credits
Semester V	DSE HIN I Elective	Hindi (Optional) IX	4	55	35	40	75	3
	DSG HIN I Generic	Hindi (Optional)	4	55	35	40	75	3
	SEC III	हिंदी कौशल विकास	3	45	25	25	50	2
		Total V	11	155	95	105	200	8
Semester VI	DSE HIN II Elective	Hindi (Optional) X	4	55	35	40	75	3
	DSG HIN II Generic	Hindi (Optional)	4	55	35	40	75	3
	SEC IV	हिंदी कौशल विकास	3	45	25	25	50	2
		Total VI	11	155	95	105	200	8
		Total V,VI	**22**	**310**	**190**	**210**	**400**	**16**

DSE HIN - I हिंदी साहित्य का इतिहास

- **उद्देश्य एवं महत्व :**

i) हिंदी साहित्य के वृहत इतिहास का परिचय कराना।

ii) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना।

iii) साहित्यिक प्रवृत्तिओं की परम्परा को समझना।

iv) साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।

v) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना।

vi) हिंदी साहित्य के आदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय देना।

vii)भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

- **महत्व :**

इतिहास का अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्योंकि इतिहास की पुनरावृत्ति होती है इसलिए किसी भी साहित्य के इतिहास का अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में अत्यंत आवश्यक होता है। साहित्य की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ हमारे वर्तमान जीवन को बनाने में सहयोग देती है। तत्कालीन जीवमूल्य, जीवन दर्शन, समस्याएँ, संस्कृति का वर्तमान से सह-सबंध समापित होकर नये जीवन और कलाओं का निर्माण होता है।

DSE HIN - II साहित्यशास्त्र

i) साहित्य का शास्त्रिय पध्दति से अध्ययन करना।

ii) साहित्यशास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना।

iii) छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रिय दृष्टिकोन विकसित करना।

iv) शब्द और अर्थो के सम्बन्धों को समझना।

v) आलोचना की मानविय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

- **महत्व :**

  शिक्षा ज्ञानवर्धन का साधन है। सांस्कृतिक जीवन का माध्यम है। अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करते हुए जीवन जीने की कला के साथ-साथ व्यक्तित्व के विकास का पथ-प्रदर्शन भी है। इन कलाओं के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन को आनंदमय बना सकता है। आधुनिक तकनिकी युग में साहित्य की शास्त्रियता मनुष्य जीवन का एक मात्र आधार सिध्द होती है। अतः साहित्य का शास्त्रिय दृष्टिकोन से अध्ययन होना आवश्यक है।

DSG HIN - I हिंदी भाषा

- **उद्देश्य :**

i) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।

ii) भाषा के स्वरूप को समझना।

iii) हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचच कराना।

iv) भाषाई वैविध्य वाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाना।

v) प्राद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता को समझाना।

vi) हिंदी की संवैधानिक स्थिती से छात्रों को अवगत कराना।

- **महत्व :**

वैदिक संस्कृत, प्राकृत,पाली, अपभ्रंश आदि पड़ावों से गुजरकर हिंदी भारतवासियों के दिल की धडकन बनी। यदि भारत की भाषाओं का इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि हिंदी किसी न किसी रूप में अपनी सहोदर भाषाओं को अपना सहयोग प्रदान करती रही हे। भाषा मानवीय जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए भाषा के स्वरूप, प्रयुक्ति क्षेत्र और उसकी उपयोगिता का अध्ययन करना आवश्यक है। हिंदी भाषा आज केवल विचारों के आदानःप्रदान का साधन न होकर वह नये नये रोजगारों के अवसर भी निर्माण कर रही है। वैश्विकरण के बदलते परिवेश में हिंदी की उपयोगिता दिन-ब-दिन बढ़ रही है।

DSG HIN - II भाषा शिक्षण

उद्देश्य :

- भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादीत करना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझना।
- भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाना।
- बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं को समझना।

महत्व :

भाषा मानविय भावनाओं एवं विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। भाषा के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति एवं अभिव्यक्ति संभव है। अतः भाषा शिक्षण के माध्यम से भाषाई शुध्दता एवं प्रयोग कुशलता से रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते है। विज्ञान एवं प्राद्योगिकी के उत्तरोतर विकास से २० वी शताब्दी में औद्योगिक क्रांति आयी और अब २१ वी शती में सूचना क्रांति हुयी। हिंदी भाषा की उपादेयता इस बात से प्रमाणित होती हे कि यह हमारे बहुसंख्य लोगों की भाषा है साथ ही यह साहित्य की भाषा होते हुये इसमें विज्ञान तथा व्यापार की अद्यतन जानकारियाँ है। इसलिए भाषा शिक्षण का महत्व अक्षुण्ण है।

हिंदी भाषा कौशल III, IV

उद्देश्य :

- छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल विकसित करना।
- कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोड़ना।
- छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना।
- छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करना।
- छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना।
- कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।

महत्व :

बदलते वैश्विक परिदृश्य में आज अर्थ महत्वपूर्ण हो गया है जिसके परिणामस्वरूप बाजारवाद को बढ़ावा मिला है। अत: शिक्षा क्षेत्र में भी पारंपारीक शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को कार्यकुशल बनाना वर्तमान समय की माँग है। विश्व में भारत की 'युवाओं का राष्ट्र' ऐसी पहचान बन रही है। इस युवाशक्ति की क्षमता को राष्ट्रनिर्माण के लिए उपयोग में लाना आवश्यक है। इसलिए युवाओं में कौशल विकास का होना अनिवार्य है। विज्ञान एवं औद्योगिकी, अभियांत्रिकी, चिकित्सा, विधि तथा प्रबंधन में हिंदी भाषा कौशल अत्याधिक मात्रा में दिखाई देता है।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र. DSE HIN - I (Elective)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा (पंचम सत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास

खण्ड क) I **आदिकाल**

आदिकाल परिचय
आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियाँ।

II **भक्तिकाल**

१. भक्तिकाल : परिचय
२. निर्गुण भक्ति - ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी शाखां की प्रवत्तियाँ ।
३. सगुण भक्ति - रामभक्ति, कष्णभक्ति शाखां की प्रवत्तियाँ ।

खण्ड ख) **रीतिकाल**

१. रीतिकाल : परिचय, रीतिबध्द, रीतिसिध्द, रीतिमुक्त काव्यधारा का संक्षिप्त परिचय।
२. आधुनिक काल : परिचय,भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवत्तियाँ ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

		अंक ४०
प्रश्न १	भक्तिकाल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न २	आधुनिक काल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न ३	टिप्पणियाँ :	
अ)	आदिकाल पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५
ब)	रीतिकाल पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५

		४०

- **अंतर्गत मूल्यांकन** **अंतर्गत अंक** ३५
  ------
  १. कक्षा परीक्षा दो (१०+१०) = २०
  २. सेमिनार = १५ **७५**

  ३५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र. DSE HIN - II (Elective)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा (षष्ट सत्र)

साहित्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

खण्ड क) काव्य :

१. काव्य का अर्थ, परिभाषा तथा स्वरूप ;
२. काव्य के तत्व,
३. काव्य के प्रयोजन,
४. काव्य के हेतु ।

खण्ड ख) I शब्द-शक्ति :

१. अर्थ, परिभाषा और स्वरूप ;
२. शब्द-शक्ति के भेद, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

II **आलोचना :**

१. परिभाषा, स्वरूप
२. आलोचक के गुण।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

		अंक ४०
प्रश्न १	खण्ड क पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न २	खण्ड ख पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न ३	टिप्पणियाँ :	
	अ) खण्ड क पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५
	ब) खण्ड ख पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५

		४०

- **अंतर्गत मूल्यांकन** — **अंतर्गत अंक** ३५

१. कक्षा परीक्षा दो (१०+१०) = २०
२. सेमिनार = १५

३५

७५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र. DSG HIN - I (Generic)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा (पंचम सत्र)

हिंदी भाषा

क) हिंदी भाषा

१. भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप ;
२. भाषा की विशेषताएँ ;
३. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास।

ख) हिंदी भाषा के विविध रूप

१. प्रयोजनमूलक हिंदी
२. राष्ट्रभाषा
३. राजभाषा
४. संपर्क भाषा

ग) हिंदी की स्थिति

१. भाषा प्राद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाएँ।
२. संविधान के अनुच्छेद ३४३ के अनुसार हिंदी की संवैधानिक स्थिति।
३. हिंदी की वेश्विक स्थिति

प्रश्नपत्र का प्रारूप

अंक ४०

प्रश्न १	हिंदी भाषा पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न २	हिंदी भाषा के विविध रूपों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न ३	टिप्पणियाँ :	
	अ) खंण्ड **क** और **ग** पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५
	ब) खंण्ड **ख** और **ग** पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५

		४०

- **अंतर्गत मूल्यांकन** — **अंतर्गत अंक** ३५

१. कक्षा परीक्षा दो (१०+१०) = २०
२. सेमिनार = १५

३५

कुल अंक ७५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
स्नातक तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न पत्र क्र. DSG HIN - II (Generic)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा (षष्ट सत्र)

भाषा शिक्षण

पाठ्यक्रम

खण्ड क) वर्तनी :

१. शुध्द वर्तनी का महत्व।
२. शुध्द वर्तनी के नियम ।
३. लोकोक्तियाँ और मुहावरों का महत्व और उदाहरण।

खण्ड ख) समाज माध्यम (Social Media) :

१. समाज माध्यम का महत्व।
२. समाज माध्यमों का प्रभाव।
३. साइबर क्राईम कानून तथा आचार संहिताएँ।

खण्ड ग) सृजनात्मक व्यक्तित्व :

१. म.गांधी
२. डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर
३. डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम
४. कबीर
५. प्रेमचंद
६. महादेवी वर्मा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

	अंक ४०
प्रश्न १ वर्तनी पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न २ समाज माध्यम पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्रश्न ३ टिप्पणियाँ :	
अ) खण्ड **ग** पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५
ब) खण्ड **ग** पर विकल्प के साथ टिप्पणी :	०५

	४०

- **अंतर्गत मूल्यांकन** — **अंतर्गत अंक** ३५

४. कक्षा परीक्षा दो (१०+१०) = २०
५. सेमिनार = १५

३५

कुल अंक **७५**

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

स्नातक तृतीय वर्ष

हिंदी कौशल विकास प्रश्नपत्र S.E.C. - III

पंचम सत्र

अध्यापन तासिकाएँ	**१५**	**लिखित प्रश्नपत्र**	**अंक २५**
प्रात्यक्षिक तासिकाएँ	**३०**	**प्रात्यक्षिक**	**अंक २५**
	---		---
कुल तासिका	**४५**		**५०**

पाठ्यक्रम

अ) पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण

सिनेमा की पटकथा
दूरदर्शन की पटकथा;
रेडिओ की पटकथा।

ब) भाषा कौशल :

भाषा कौशल के माध्यम-श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।
संक्षेपन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित
पल्लवन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित।

क) लेखन की शुध्दता एवं सुंदरता :

१. स्वच्छ भारत अभियान
२. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
३. जल ही जीवन है
४. पर्यावरण सुरक्षा
५. वर्तमान समय और नैतिक मूल्य।

CA (Continues Assessment) मूल्यांकन

१. सेमिनार	१५
२. कक्षा परीक्षा ०२ (०५+०५)	१०

	२५

ESE (End Semester Exam) मूल्यांकन :

१. कौशल प्रकल्प लेखन	१० अंक
२. कौशल मूल्यांकन	१० अंक
३. कौशल मौखिकी	०५ अंक
	---
	२५ अंक

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

स्नातक तृतीय वर्ष

हिंदी कौशल विकास प्रश्नपत्र S.E.C. - IV

षष्ठ सत्र

अध्यापन तासिकाएँ	**१५**	**लिखित प्रश्नपत्र**	**अंक २५**
प्रात्यक्षिक तासिकाएँ	**३०**	**प्रात्यक्षिक**	**अंक २५**
	---		---
कुल तासिका	**४५**		**५०**

पाठ्यक्रम

अ) विज्ञापन :

i) प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण ।
ii) रेडिओ के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण।
iii) दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण।

ब) भाषाई कम्प्युटर :

i) यूनीकोड की वर्तमान स्थिति
ii) कम्प्यूटर का भाषाई भविष्य
iii) हिंदी में पॉवर पॉईन्ट का महत्व एवं प्रविधि
iv) हिंदी में एम.एस.वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि

क) ब्लॉग लेखन :

i) ब्लॉग लेखन का महत्व एवं प्रकार
ii) हिंदी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि
iii) इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यु-ट्यूब पर प्रकाशन।

C.A. (Continues Assessment) मूल्यांकन

१. सेमिनार १५ अंक
२. कक्षा परीक्षा ०२ ०५+०५=१० अंक

---

२५ कुल अंक

ESE (End Semester Exam) मूल्यांकन

१. कौशल प्रकल्प लेखन १० अंक
२. कौशल मूल्यांकन १० अंक
३. कौशल मौखिकी ०५ अंक

---

२५ कुल अंक

संपूर्ण पाठ्यक्रम

सहाय्यक ग्रंथ सूची :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास :आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
२. हिंन्दी साहित्य का इतिहास :आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास :डॉ. हुकुमचन्द राजपाल
४. हिन्दी साहित्य का इतिहास :सं. डॉ. नगेन्द्र
५. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा
६. साहित्यशास्त्र : माधव सोनटक्के
७. साहित्यशास्त्र : नारायण शर्मा
८. साहित्यशासत्र : चंद्रभानु सोनवणे
९. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
१०. प्रयोजनमूलक हिन्दी : अधुनातन आयाम - अंबादास देशमुख
११. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
१२. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत एवं प्रयोग - दंगल झाल्टे
१३. भाषा : स्वरूप और संरचना - हेमचंद्र पांडे
१४. भाषा शिक्षण - रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
१५. पटकथा कैसे लिखें : राजेन्द्र पांडे
१६. पटकथा लेखन एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी
१७. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
१८. टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
१९. टेलीविजन की भाषा : हरीशचंद्र बर्णवाल
२०. डीजिटल ब्रॉडकास्टिंग जर्नलिज्म - जितेन्द्र शर्मा
२१. कम्पूटर एक परिचय : सं. संतोष चौबे
२२. एम.एस. ऑफिस : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग - भारत सरकार
२३. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजयकुमार मल्होत्रा
२४. सोशल मीडिया : योगेश पटेल
२५. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्षदेव
२६. हिन्दी विकास और स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
२७. इंटरनेट : शशि शुक्ला
२८. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार : विजय कुलश्रेष्ठ

* * * * *

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बी.ए. तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न क्र. IX (विकल्प में)
पाठ्यक्रम की रुपरेखा (पंचम सत्र)
भारतीय साहित्य I

DSE HIN- I (Elective)

पाठ्यक्रम :

खण्ड अ) भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरुप

खण्ड ब) आत्मकथा

जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

खण्ड क) नाटक :

खामोश आदालत जारी है : विजय तेंडूलकर

प्रश्नपत्र का प्रारुप

अंक - ४०

प्र.१	खण्ड 'ब' पर विकल्प के साथ दीर्घोंतरी प्रश्न	१५
प्र.२	खण्ड 'क' पर विकल्प के साथ दीर्घोंतरी प्रश्न	१५
प्र.३	टिप्पणियाँ	
	i) खण्ड 'अ' पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०

		४०
	अंतर्गत अंक	- ३५

		७५

- **अंतर्गत मुल्याकंन**

१) कक्षा परीक्षा दो (१० + १०) = २०

२) सेमिनार = १५

३५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
बी.ए. तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी प्रश्न क्र. XI (विकल्प में)
पाठ्यक्रम की रुपरेखा (षष्टम सत्र)
भारतीय साहित्य II

DSE HIN- II (Elective)

पाठ्यक्रम :

खण्ड अ) भारतीय साहित्य की विशेषताएँ तथा अध्ययन की समस्याएँ

खण्ड ब) आनंदमठ (उपन्यास) - बंकीमचंद्र - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खण्ड क) 'अधूरे मनुष्य' (कहानी संग्रह) -
डी. जयकांतन - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारुप

अंक - ४०

प्र.१	खण्ड 'ब' पर विकल्प के साथ दीर्घोंतरी प्रश्न	१५
प्र.२	खण्ड 'क' पर विकल्प के साथ दीर्घोंतरी प्रश्न	१५
प्र.३	टिप्पणियाँ	
	i) खण्ड 'अ' पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०

		४०
	अंतर्गत अंक -	३५

		७५

- **अंतर्गत मुल्याकंन**

१) कक्षा परीक्षा दो (१० + १०) = २०
२) सेमिनार = १५

३५